AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अब सिर्फ डिप्लोमा में दाखिले का मौका

लविवि : पीजी आवेदन प्रक्रिया समाप्त, अभी तय नहीं कि दाखिले मेरिट पर होंगे या प्रवेश परीक्षा से

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को परास्नातक आवेदन की अंतिम तारीख समाप्त हो गई। अब सिर्फ डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में आवेदन का मौका बचा है। डिप्लोमा पाठ्यक्रम में आवेदन करने की अंतिम तारीख 31 अगस्त तय की गई है। वहीं लविवि स्नातक दाखिलों को अंतिम रूप दे रहा है। स्नातक दाखिलों के लिए सभी अभ्यर्थियों को अपने डाक्यूमेंट अपलोड करने के लिए कहा गया है। इनका ऑनलाइन सत्यापन किया जा रहा है।

लविवि में इस साल पिछले कई सालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा आवेदन आए हैं। कई बार आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाने के बाद अब अंतिम तिथि नहीं बढ़ाने का फैसला किया गया है। हालांकि अभी भी यह तय नहीं हुआ है कि दाखिले मेरिट के आधार पर होंगे या फिर प्रवेश परीक्षा होनी है। परास्नातक में दाखिले के लिए इस साल 12 हजार से ज्यादा आवेदन फॉर्म आ चुके हैं।

लविवि में इस साल परास्नातक स्तर पर कई नए पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। इनमें योगा संकाय के तहत एमए और एमएससी योगा के पाठ्यक्रम शुरू करेगा। डॉ शंकर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी में संचालित बीए इन पब्लिक पॉलिसी पाठ्यक्रम बन्द करके इसके स्थान पर एमए इन पब्लिक पॉलिसी की शुरुआत की जा रही है। लविवि में इसी साल से इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में उद्यमिता और फैमिली बिजनेस पर फोकस करने के लिए एमबीए इन एंटरप्रेन्योरशिप एंड फैमिली बिजनेस की शुरुआत भी की गई है।

26 डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तारीख 31 अगस्त

लविवि ने पिछले कई साल से डिप्लोमा पाठ्यक्रम के संबंध में चली आ रही एडऑन की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी है। इस साल से डिप्लोमा का पुनरीक्षण करके 26 डिप्लोमा के आवेदन मांगे गए हैं। इनकी न्यूनतम फीस 18 हजार रुपये निर्धारित की गई है। इनमें स्नातक स्तर के बाद ही दाखिले किए जा सकेंगे।

किसमें कितनी सीट

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट-60, डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयरलाइन टिकटिंग एंड ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन- 30, एडवांस डिप्लोमा इन क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डायटिक्स-30, एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग-30, प्रोफेशनल डिप्लोमा इन क्लिनिकल साइकोलॉजी-16, पीजी डिप्लोमा इन एपिडेमियोलॉजी एंड बायोस्टेट-30, पोस्ट एमए डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन रेगुलर-30, पीजी डिप्लोमा इन राइट टू इंफॉर्मेशन एंड डेमोक्रेसी-30, पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन-30, पीजी डिप्लोमा इन रिप्रोडक्शन एंड चाइल्ड हेल्थ-30, पीजी डिप्लोमा इन एचआईवी एड्स एंड फैमिली लाइफ एजुकेशन-30, पीजी डिप्लोमा इन सोशल ड्यूटी एंड ह्यूमन राइट्स-30, पीजी डिप्लोमा इन सायबर लॉ- 40, पीजी डिप्लोमा इन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट-40, पीजी डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार-30, पीजी डिप्लोमा इन एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग टेक्नोलॉजी-15, डिप्लोमा इन डेटा एनालिसिस विद स्टैटिकल पैकेज फ़ॉर सोशल साइंसेज -30, पीजी डिप्लोमा इन तमिल रेगुलर-20, प्रोफिशिएंसी इन तमिल रेगुलर-20, पीजी डिप्लोमा इन बायोडायवर्सिटी वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट-30, सर्टिफिकेट कोर्स इन आर्थोनोलॉजी-20, सर्टिफिकेट कोर्स इन एक्यूएटिक वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन-20, सर्टिफिकेट कोर्स इन वेस्टलैंड मैनेजमेंट-20, डिप्लोमा इन फ्रेंच-20, प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच रेगुलर-60

i-NEXT PAGE 4

नया ऑर्डिनेंस हो रहा तैयार, लखनऊ यूनिवर्सिटी में एक दशक बाद

फिर ले सकेंगे डी-लिट में एडमिशन

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने डी-लिट में एडमिशन के लिए तैयार किया ऑर्डिनेंस

10 साल का अनुभव रखने वाले कैंडीडेट्स को ही दिया जाएगा एडमिशन का मौका

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 Aug): लखनऊ यूनिवर्सिटी में लंबे समय से डी-लिट कोर्स शुरू करने की मांग को यूनिवर्सिटी जल्द पूरा करने जा रही है. कोर्स शुरू करने के लिए नया ऑर्डिनेंस लगभग तैयार कर लिया गया है. कार्यपरिषद से पास होते ही इसे लागू कर दिया जाएगा. इसके साथ ही एलयू में एक दशक के बाद कैंपस में डी-लिट कोर्स शुरू हो जाएगा.

10 साल का अनुभव जरूरी

डी-लिट के लिए जो ऑर्डिनेंस तैयार किया जा रहा है, उसके अनुसार इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कम से कम 10 साल का अनुभव होना जरूरी है. इसके साथ ही कैंडीडेट के कम से कम 15 जर्नल टॉप के पब्लिशर्स के यहां प्रकाशित होने चाहिए.

कार्यपरिषद से पास होते ही ऑर्डिनेंस को कर दिया जाएगा लागू.

लिखना होगा टॉपिक

नए ऑर्डिनेंस के अनुसार एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को आवेदन फॉर्म के साथ अपने टॉपिक पर कम से कम 15 सौ शब्द में अपना टॉपिक लिखना होगा.

CONCEPT PIC

तो नहीं मिलेगा दो साल चांस

ऑर्डिनेंस में यह भी कहा गया है कि अगर कोई स्टूडेंट्स एक बार डी-लिट के एडमिशन की प्रक्रिया से रिजेक्ट हो जाता है, तो उसे कम से कम दो साल आवेदन का मौका नही दिया जाएगा. जब स्टूडेंट्स अपनी थीसिस पूरी कर जमा करने की तैयार कर रहे होंगे तो उन्हें पहले एक सेमिनार भी कराना होगा. इसी के बाद ही वे थीसिस जमा कर सकेंगे.

सम्मानित होंगे पूर्व स्टूडेंट्स

विभागों को देना होगा पूर्व छात्रों का डाटा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 Aug): लखनऊ यूनिवर्सिटी इस साल अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुकी है. इसी को देखते हुए वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने यूनिवर्सिटी के पूर्व स्टूडेंट्स को सम्मानित करने फैसला लिया है. इसके लिए वीसी ने यूनिवर्सिटी के सभी एचओडी, निदेशक, कोऑर्डिनेटर व प्रभारियों संग सोमवार को बैठक की. इस बैठक में उन्होंने सभी को निर्देश दिए वह अपने अपने विभागों के पिछले पांच सालों के उन स्टूडेंट्स का डाटा निकालें जो यहां से पढ़ाई पूरी करने के बाद विभिन्न संस्थानों में उच्च पदों पर है या जिन्होंने किसी विशेष फील्ड में अपने एक अलग पहचान बनाई है. वीसी का कहना है कि ऐसे स्टूडेंट्स को लखनऊ यूनिवर्सिटी अपने शताब्दी वर्ष में सम्मानित करेगी.

मांगा पांच साल का डाटा

पिछले पांच साल के उन स्टूडेंट्स का डाटा देना होगा जिनका चयन प्रादेशिक, केंद्रीय व अन्य सेवाओं में हुआ है. डाटा पांच सितंबर तक उपलब्ध कराना होगा. इसमें स्टूडेंट का नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आदि की जानकारी देनी होगी.

डी-लिट कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन की प्रक्रिया पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू होगी. इसका ऑर्डिनेंस लगभग बन कर तैयार हो चुका है.
डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एलयू

प्रादेशिक और केंद्रीय सेवा में चयनित पूर्व छात्रों को सम्मानित करेगा लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष के तहत इस साल प्रादेशिक और केंद्रीय सेवा में चयनित पूर्व छात्रों को सम्मानित करेगा। लविवि ने पिछले पांच साल में लविवि से डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने का फैसला किया है। इसके लिए पूर्व छात्रों को निर्धारित फॉर्म पर 5 सितंबर तक आवेदन करने को कहा है। कला एवं शिल्प महाविद्यालय में नियुक्त किए गए को-ऑर्डिनेटर

लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने शिक्षकों को विभिन्न विभाग के लिए को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। इसके तहत डॉ. संजीव किशोर गौतम को ललित कला विभाग, श्रीराजन श्रीपद फुलारी को कला इतिहास, रविकांत पांडेय को व्यापारिक कला विभाग तथा विभावरी सिंह को मूर्तिकला विभाग का अगले तीन साल के लिए को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

NBT PAGE 6

ललित कला महाविद्यालय में नियुक्त हुए कोऑर्डिनेटर

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध ललित कला महाविद्यालय के डीन डॉ. आलोक कुमार ने विभिन्न विभागों में सोमवार को कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। इस क्रम में असिस्टेंट प्रफेसर विभावरी सिंह को मूर्तिकला विभाग की कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। वहीं, असिस्टेंट प्रफेसर रविकांत पांडेय पांडेय को व्यापारिक कला विभाग और असोसिएट प्रफेसर संजीव किशोर गौतम को ललित कला विभाग का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

विभावरी सिंह बनीं मूर्तिकला विभाग की कोऑर्डिनेटर

इसके अलावा असिस्टेंट प्रफेसर राजन श्रीपाद फुलारी को कला इतिहास के लिए कोऑर्डिनेटर नियुक्त करते हुए विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ.फुलारी कला इतिहास के शिक्षकों से कोऑर्डिनेट कर जूम, स्लेट ऐप पर चलने वाली ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करेंगे। साथ ही महाविद्यालय के अन्य ऑनलाइन वेविनार और कार्यक्रमों का भी संचालन करेंगे।

एलयू के शताब्दी वर्ष में सम्मानित होंगे पूर्व छात्र

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय इस वर्ष शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसी के चलते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एलयू के पूर्व छात्रों को सम्मानित करने फैसला लिया है। इसके लिए कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों, कोऑर्डिनेटर्स और प्रभारियों संग सोमवार को वैठक की। इसमें उन्होंने सभी को पिछले पांच सालों के उन स्टूडेंट्स का डेटा निकालने के निर्देश दिए जिनका चयन प्रादेशिक, केंद्रीय और अन्य सेवाओं में हुआ है। उन्होंने निर्देशित किया सभी को डेटा निकालकर पांच सितंबर तक कोऑर्डिनेटर आईक्यूएसी को उपलब्ध करवाना होगा।

PIONEER PAGE 4

सम्मानित होंगे 5 वर्ष से केंद्रीय व प्रांतीय सेवा में आने वाले स्टूडेंट्स

लखनऊ। शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले 5 वर्ष से केंद्रीय व प्रांतीय सेवा में नौकरी कर रहे विवि के छात्रों को स मानित करने का निर्णय लिया है। इस बाबत विवि के कुलपति प्रो आलोक राय ने सभी विभागों के विभागाध्यक्ष व निदेशक से छात्रों के नाम इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल को 5 सित बर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। पिछले दिनों विवि के कुलपति प्रो आलोक राय की अध्यक्षता में सभी विभागाध्यक्षों के साथ हुई बैठक में ऐसे छात्रों को स मानित करने का निर्णय लिया गया थाए जो पिछले 5 वर्ष से केंद्रीय या प्रादेशिक सेवा में नौकरी कर रहे हैं। विवि के कुलपति प्रो आलोक राय ने ललित कला संकाय के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर विभावरी सिंह को मूर्तिकला का तीन वर्ष के लिए कोआर्डिनेटर नियुक्त किया है। इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर रविकांत पांडेय को व्यवहारिक कला और डॉ संजीव गौतम को ललित कला व राजन श्रीपाद फुलारी को कला इतिहास विभाग का तीन वर्ष के लिए कोआर्डिनेटर नियुक्त किया है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

कला एवं शिल्प महाविद्यालय में विभिन्न कोर्सों के लिए बनाये समन्वयक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के प्राचार्य ने विभिन्न कोर्सों को समन्वयक बनाये गये है। प्रधानाचार्य की ओर से जारी निर्देश के अनुसार विभिन्न कोर्सों के विभागाध्यक्ष की अनुपस्थिति पर समन्वयक विभाग के उत्थान और दायित्वों का निर्वाहन

विभागाध्यक्ष की अनुपस्थिति में संभालेंगे जिम्मेदारी

करेंगे। इन समन्वयक को तीन साल और अग्रिम आदेशों को निवुक्त किया गया है।

इस क्रम में मूर्तिकला विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर विभावरी सिंह को मूर्तिकला में समन्वयक नियुक्त किया है। इसी प्रकार से व्यापारिक कला विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर रविकांत पांडेय, ललित कला में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव किशोर गौतम और फाइन आर्ट में असिस्टेंट प्रोफेसर राजन श्रीपाद फुलारी को समन्वयक नियुक्त किया गया है। प्राचार्य ने अपने जारी निर्देश की सूचना कुलपति, कुलसचिव और एकेडमिक के संकायाध्यक्ष को भेज दी है।

AMRIT VICHAR PAGE 3

लविवि में डाक्यूमेंट्स अपलोड करने की तिथि समाप्त

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक में दाखिले के लिए डाक्यूमेंट्स अपलोड करने की अंतिम तिथि सोमवार को समाप्त कर दी गयी है। वहीं अब छात्रों को अपनी मेरिट का इंतजार करना होगा। इस बारे में जानकरी देते हुए विश्वविद्याल के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि छात्रों को लगातार लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट चेक करते रहना होगा। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी छात्रों ने अपने—अपने डाक्यूमेंट्स अपलोड कर दिए हैं, ऐसे में अब उनके इंटर के अंको के आधार पर मेरिट तय की जायेगी। मेरिट तय होने के बाद घोषणा की जायेगी। मेरिट का पूरा ब्योरा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से सभी विभागों में सीटों का विवरण भी जारी कर दिया गया है।

TOI PAGE 2

LU PG courses applications at 5-year high

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University (LU) received over 12,000 applications for admission to its postgraduate courses — the highest in the past five years. In 2019, LU had received 10,090 applications. Between 2016 and 2018, it had received 8000 to 10,000 applications. The deadline to apply for LU's PG courses ended on Monday.

The highest number of applications was for masters in economics and law. The university will be conducting entrance tests for admission to these courses.

"In both UG and PG courses, LU has received the maximum number of applications in the past five years. Due to the novel coronavirus pandemic, students are not willing to leave their city or state and are opting for the best options available locally," said an LU official.

Meanwhile, students can apply for diploma courses by August 31.

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि : शताब्दी वर्ष में सम्मानित किए जाएंगे मेधावी

शताब्दी वर्ष मना रहा लविवि एक नई पहल करने जा रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने लविवि के पूर्व छात्रों को सम्मानित करने का फैसला लिया है। उन्होंने विवि के सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों और समन्वयकों के साथ सोमवार को बैठक की। सभी को निर्देश दिए कि वे अपने विभागों के पिछले पांच वर्षों के उन विद्यार्थियों की सूची तैयार करें जिन्होंने यहां से पढ़ाई की और उनका चयन प्रादेशिक, केंद्रीय व अन्य सेवाओं में हुआ है। ताकि उनको सम्मानित किया जाए। विद्यार्थियों का ब्योरा पांच सितंबर तक आइक्यूएसी को उपलब्ध कराना होगा। इसमें विद्यार्थी का नाम, मोबाइल नंबर, ई-मेल, विवि में अध्ययन की अवधि, उत्तीर्ण कक्षा एवं वर्ष, नियुक्ति पत्र की प्रति देनी होगी।

लविवि में पीजी में दाखिले के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी

लविवि में सत्र 2020- 21 के तहत परास्नातक (पीजी) में दाखिले के लिए आवेदन की प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो गई। हालांकि अभी तक अटकलें लगाई जा रही थी कि विवि प्रशासन द्वारा आवेदन की तिथि बढ़ाई जा सकती है, मगर देर शाम तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं जारी की गई। बता दें कि लविवि में पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में करीब 4500 सीट हैं। इनके लिए इस बार बंपर आवेदन आए हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक इस बार करीब 19 हजार से अधिक आवेदन आए हैं।